an>

Title: Need to fix remunerative price of agricultural produce keeping in view the cost of inputs involved.

श्री ए.टी.नाना पाटील (जलगाँव) : आज देश में किसानों की एक बड़ी समस्या यह है जब उपज कम होती है तब तो किसान मुसीबत में होता है। जब उपज अच्छी हो तब भी अक्सर उसकी वाजिब कीमत न मिलने के कारण उसे नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों में असंतोष की मूल वजह उर्वरक, कीटनाशक, बीज और श्रमिकों के मूल्य में बेतहाशा बढ़ोतरी है। किसानों को बड़ी शिकायत खेती की लागत और समर्थन मूल्य के निर्धारण में कोई तालमेल नहीं होना है। यह निष्कर्ष सरकार द्वारा गठित समिति का भी है। मोहन कांडा समिति की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे हालात बनने की करीब एक दर्जन वजह है इसमें सबसे बड़ी वजह सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य लागत से कम मिलना है। जिससे किसानों में आक्रोश है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह राज्यवार विभिन्न अनाजों की लागत को मद्देनजर रखकर उनकी न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा करें ताकि किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिल सके।